Title: Demand to probe the activities of ISI of Pakistan in the Aligarh Muslim University, Aligarh by a sitting judge of the Supreme Court.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, बी.जे.पी., आर.एस.एस. और वी.एच.पी. द्वारा यह प्रचार किया गया कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का संबंध आई.एस.आई. से है। इस बात में सरकार भी शामिल है और कहा गया कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय आई.एस.आई. का अड्डा है। यह गंभीर मामला है। वहां 12 लड़कों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। मैं बताना चाहेता हूं कि उन में से 6 लड़के पहले से ही विश्वविद्यालय छोड़ चुके हैं, 4 छात्र निकासित हो चुके हैं और 2 छात्रों के बारे में स्थानीय प्रशासन ने कह दिया है कि उनका इस घटना से कोई संबंध नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, इस घटना से विश्वविद्यालय में तनाव पैदा हो गया है और उसे बदनाम किया जा रहा है। इस घटना को अल्पसंख्यकों के विरूद्ध प्रचार का साधन बनाया जा रहा है और जानबूझ कर उत्तर प्रदेश की सरकार तनाव पैदा कर रही है। मेरा आपसे अनुरोध है कि राज्य सरकार को हिदायत दें जिससे कि अलीगढ़ में तना व न हो। क्षेत्र में जो तनाव की स्थिति है, उससे छात्र एवं स्टाफ के लोग आतंकित है क्योंकि जब कभी वहां पर पुलिस का जाना होता है, तो तनाव बढ़ जाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन को विश्वास में नहीं लिया जाता है। यह बहुत गम्भीर घटना है।

MR. SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman, please understand, this is a State subject. Everybody wants to raise State subjects here. This is not correct.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, अलीगढ़ यूनिवर्सिटी का मैटर स्टेट सब्जैक्ट कैसे हो सकता है?

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, यह केन्द्र सरकार की यूनिवर्सिटी है और यहां से भेजा गया कुलपति है और वह विश्वविद्यालय केन्द्र के अधीन है। इस विश्वविद्यालय में न केवल मुस्लिम लड़के पढ़ते हैं बल्कि गैर मुस्लिम जिनकी संख्या 40 प्रतिशत है, हिन्दू, सिक्ख, ईसाई तथा अन्य धर्मों के छात्र भी पढ़ते हैं। यह एक शानदार विश्वविद्यालय है और पढ़ाई के मामले में यहां का अनुशासन सबसे अच्छा है। इस विश्वविद्यालय को आई.एस.आई. के नाम पर बी.जे.पी. सरकार की बंद करने की योजना है। यही नहीं, नदवां के मौलाना अली मियां जो अंतरराट्रीय स्तर के सबसे बड़े इस्लामिक धर्म के सैकुलर नेता माने गये हैं तथा धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वाले डा. जाकिर हुसैन जैसे नेता पैदा हुये हैं, उस विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश सरकार ने बंद करने का आदेश दिया है।

हम लोगों ने अपना डेलीगेशन भेजकर किसी तरह से बचाया। सवाल यह नहीं है, अब सवाल आपके सामने आ गया है, स्वयं जिला प्रशासन कहता है कि दो छात्रों का आई.एस.आई. से कोई मतलब नहीं है। छ: छात्र बहुत पहले से विश्वविद्यालय में नहीं है, जिन चार छात्रों के नाम रपट है, वे छात्र विश्वविद्यालय से निकाल दिये गये हैं। उसके बाद भी मुसलमानों के विश्वविद्यालय को आई.एस.आई. का एजेन्ट बताना गलत है। इसलिए हमारी अपील है कि यह केन्द्रीय सरकार सुप्रीम कोर्ट के किसी भी वर्तमान जज से जुडीशल इन्कवायरी कराये। यह मामला इसलिए गंभीर है कि पूरे के पूरे मुसलमानों पर शक कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी हमेशा से कहती है कि आपने आतंकवादियों के खिलाफ उदारता की नीति बरती है। आप आतंकवादियों को जहाजों में साथ बैठाकर ले गये हैं। हम आज भी कह रहे हैं कि अगर हिम्मत है तो आतंकवादियों के अड्डों पर हमला कीजिएâ€¦(व्यवधान) मुस्लिम विश्वविद्यालय, नदवा का विश्वविद्यालय या मुसलमानों के सारे स्कूलों आई.एस.आई. का एजेन्ट बताकर सारे मुसलमानों को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। जबकि आई.एस.आई. को आप बढ़ावा दे रहे हैं, आप आई.एस.आई. को जहाजों में बैठाकर ले जा रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी दूसरे मैम्बर्स को भी बोलना है।

श्री मुलायम सिंह यादव : आप कहते हैं कि मुस्लिम विश्वविद्यालय आई.एस.आई. के एजेन्ट हैं, नदवा है या सारे मुसलमानों के स्कूल हैं। इसकी सुप्रीम कोर्ट के जज से इक्वायरी होनी चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी आप किसी को बोलने का मौका नहीं दे रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हम लोग इंक्वायरी कराने के लिए तैयार हैं। आज सरकार आई.एस.आई. के मामले में उदार नीति बरत रही है और यह सरकार आई.एस.आई. को पूरी स्वतंत्रता दे रही है और मुसलमानों को इस देश के अंदर बदनाम कर रहे हैंâ€¦(व्यवधान) मुसलमानों के विश्वविद्यालयों को बदनाम कर रहे हैं। आप सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान जज से जांच करा लें, यह हमारी मांग है।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called Shri Malhotra.

डा. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, मुलायम सिंह जी और उनकी पार्टी ने जो आरोप लगाये हैंâ€¦(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : सर, यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है, सरकार अभी इसका उत्तर देâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : दूसरे मैम्बर्स को भी मौका देना है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपके लीडर बोल चुके हैं, अब आप क्यों बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह आप लोग क्या कर रहे हैं। आपको मौका दिया गया था, आपके लीडर यह मैटर रेज कर चुके हैं, अब आप क्या कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है।

श्री मुलायम सिंह यादव : क्या यह कोई मामूली बात है, आई.बी. के लोग कैसे जा रहे हैं, क्या यह कोई मामूली बात है, आपने इसका क्या निदान किया है।
â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैने मल्होत्रा जी को बुलाया है, आप बैठ जाइये।

श्री खारबेल स्वाइं (बालासोर) : यह हर रोज तमाशा करते हैं, क्या हाउस में सिर्फ यही हैं, हम नहीं हैं। हमारा कोई इश्यु नहीं है, सिर्फ समाजवादी पार्टी का इश्यु है। इन्होंने यह क्या तमाशा करके रखा है, इसे बंद कराईये।â€¦(व्यवधान)

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, मुलायम सिंह जी और उनकी पार्टी ने जो आरोप लगाये हैं â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : इन्होंने जो आरोप लगाये हैं मैं उनका प्रतिवादन करता हूं। ये बिल्कुल मिथ्या और पूरी तरह से निरर्थक आरोप लगाये गये हैं। कोई भी पूरी की पूरी यूनिवर्सिटी आई.एस.आई. की नहीं हो सकती । परंतु इसकी आड़ में जो आई.एस.आई. के एजेन्ट हैं, जो देश भर में आई.एस.आई. की गतिविधियां चला रहे हैं वह बहुत ही गंभीर मामला है। यह इस तरह का मामला नहीं है जिसकी आड़ में छिपने की कोशिश की जाए। अलीगढ़ यूनिवर्सिटी, नदवा या उत्तर प्रदेश के मदरसे आदि इन सबको शामिल करने का हमारा इरादा नहीं है। परंतु वहां पर आई.एस.आई. की जो गतिविधियां चल रही हैंâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Akhilesh Yadav, I will take action against you. आप सारे हाउस को डिस्टर्ब कर रहे हैं, यह आप क्या कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am asking the leader to control his Members. There are other Members also. मुलायम सिंह जी यह ठीक नहीं हैं, आप अपने मैम्बर्स को बतायें।

---

*Not Recorded.

श्री मुलायम सिंह यादव : हम चाहते हैं कि मल्होत्रा जी बोलें लेकिन सरकार जवाब दे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप क्यों नहीं समझते बाकी मेम्बर्स ने भी नोटिस दिया है।

श्री मुलायम सिंह यादव : आप नाराज़ हो रहे हैं, हम तो शांति से बात करने की कोशिश कर रहे हैं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप समझिये कि बाकी सदस्यों ने भी नोटिस दिया है।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : न कोई यूनिवर्सिटी, न कोई मुस्लिम सम्प्रदाय, न कोई मदरसा, जिस तरह से कहा गया कि हमारी पार्टी कहती है कि ये सारे आई.एस.आई. के एजेन्ट हैं, ऐसी बात नहीं है। हम यह भी कहना चाहते हैं कि ये सब पूरे के पूरे आई.एस.आई. के अड्डे बन गए हैं, ऐसी बात भी नहीं है, परंतु इसकी आड़ में कोई आई.एस.आई. के जो सचमुच एजेन्ट हैं, जिनको पकड़ा गया है, जिन्होंने खुद माना है जो पाकिस्तान के एजेन्ट हैं, जो पाकिस्तानी हैं, उनको छिपाने की कोशिश की जा रही है, यह भी मुनासिब नहीं है। आई.एस.आई. इस देश में क्या कर रही है, वह सबको मालूम है। मैं कहना चाहता हूं कि â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : कार में बैठाकर उनको छोड़ने जा रहे हैं और आई.एस.आई. की बात करते हैं? आई.एस.आई. को नहीं, ये सिर्फ मुसलमानों को सज़ा देना चाहते हैं। â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : शून्य काल में इनका नोटिस नहीं है और हम लोगों ने नोटिस दिया है तो हमें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा। â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : मेरा कहना है कि आप इस तरह से पार्टी पर आरोप मत लगाइए। आप आई.एस.आई. के खिलाफ नहीं हैं, उससे तो आप मिले हुए हैं। आई.एस.आई. के नाम पर आप राजनीति करना चाहते हैं। आप आई.एस.आई. का सहारा ले रहे हैं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सीनियर मेम्बर हैं, लीडर भी हैं। अभी दूसरे मेम्बर्स को भी सुनना है।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आप आई.एस.आई. का साथ दे रहे हैं। सारे देश को बरबाद कर रहे हैं, मुसलमानों पर हमला कर रहे हैं। â€¦(व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : मुझे खुशी है कि मुलायम सिंह जी इस बात से सहमत हैं कि आई.एस.आई. के लोगों को सख्ती से दबाना चाहिए। हमारा भी यही कहना है और जो आरोप उन्होंने हम पर लगाए हैं, हम उनका प्रतिवादन करते हैं। मुझे इतना ही कहना है। â€¦(व्यवधान)